



**Hornbill**  
classes

# वानिकी



## MPPSC

Madhya Pradesh



## STATE FOREST SERVICE

# 2026

Detailed  
Syllabus Based  
study material



Linkage of  
Concepts with  
PYQs



Infused with  
Infographics &  
Maps

Module - 4

- ◎ Forest Management
- ◎ Yield Regulation
- ◎ Working Plan
- ◎ Forest Protection

- ◎ Wildlife Biology
- ◎ Wildlife Census
- ◎ Wildlife Projects
- ◎ Protected Areas

# MPPSC STATE FOREST SERVICE 2023



Rank - 1

**Shashank Jain**

Comprehensive Forestry  
Course + CIGP



Rank - 3

**Jyoti Thakur**

Comprehensive Forestry  
Course + CIGP



Rank - 4

**Shivam Gautam**

Comprehensive Interview  
Guidance Programme



Rank - 5

**Nitin Patel**

Comprehensive Forestry  
Course + CIGP



Rank - 6

**Ravi Kumar**

Comprehensive Interview  
Guidance Programme + Test Series



Rank - 7

**Ankur Gupta**

Comprehensive Forestry  
Course



Rank - 8

**Deependra Lodhi**

Comprehensive Interview  
Guidance Programme



Rank - 9

**Kapil Chauhan**

Comprehensive Forestry  
Course



Rank - 10

**Alok Kumar Jhariya**

Comprehensive Forestry  
Course + CIGP



Rank - 11

**Tarun Chouhan**

Comprehensive Interview  
Guidance Programme + Test Series



Rank - 12

**Raghvendra Thakur**

Comprehensive Forestry  
Course + Test S. + CIGP

**11 Out of 12 Total Selections in**

**Assistant Conservator of Forest (ACF) 2023**

**108 Out of 126 Total Selections in**

**Range Forest Officer (RFO) 2023**



Rank - 1

**Arvind Ahirwar**

Comprehensive Interview  
Guidance Programme + Test Series



Rank - 2

**Pushpendra Singh Ahirwar**

Comprehensive Forestry  
Course + CIGP



Rank - 3

**Narendra Gunare**

Comprehensive Interview  
Guidance Programme + Test Series



Rank - 4

**Jitendra Kumar Verma**

Comprehensive Forestry  
Course + CIGP



Rank - 5

**Jaishrish Barethiya**

Comprehensive Forestry  
Course + CIGP



Rank - 6

**Bhavna Sehriya**

Comprehensive Forestry  
Course + CIGP



Rank - 7

**Pradeep Ahirwar**

Comprehensive Forestry  
Course + CIGP



Rank - 8

**Anil Kumar Gour**

Comprehensive Forestry  
Course + CIGP



Rank - 9

**Aakash Kumar Malviya**

Comprehensive Forestry  
Course + CIGP



Rank - 11

**Rajesh Kumar Jatav**

Comprehensive Forestry  
Course + CIGP



Rank - 12

**Veerendra Prajapati**

Comprehensive Interview  
Guidance Programme + Test Series



Rank - 13

**Dinesh Kumar**

Test Series



Rank - 14

**Niranjan Dehriya**

Comprehensive Forestry  
Course + CIGP



Rank - 15

**Abhinay Chouhan**

Test Series



Rank - 18

**Sher Singh Ahirwar**

Comprehensive Forestry  
Course + CIGP



Rank - 19

**Pradeep Jatav**

Comprehensive Forestry  
Course + CIGP



Rank - 21

**Amit Sisodiya**

Comprehensive Interview  
Guidance Programme



Rank - 22

**Abhishek Barodiya**

Comprehensive Interview  
Guidance Programme



Rank - 24

**Golu Goyal**

Comprehensive Interview  
Guidance Programme + Test Series



Rank - 25

**Pawan Raje**

Comprehensive Interview  
Guidance Programme + Test Series

# **FOREST MANAGEMENT, FOREST PROTECTION, WILDLIFE BIOLOGY**

**MODULE – 4**



**EDITION : 2026**

---

**+917223970423    Hornbillclasses@gmail.com**

**Gole ka mandir, Morar, Gwalior (MP) 474005**

**SYLLABUS**

Unit	Syllabus
4	<b>FOREST MANAGEMENT</b> <b>FOREST PROTECTION :</b> Definitions, terminology, Classification of injurious agencies - man, animals, insects, plants, environments factors, forest fires and control measures, grazing and grazing management. <b>WILDLIFE BIOLOGY :</b> Census
1	Reasons for declining forest

Copyright © by Hornbill classes

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored, or transmitted in any form or by any electronic, photocopying, recording, or otherwise, without prior permission of Hornbill classes.

**वैधानिक चेतावनी**

यह पुस्तक व सामग्री आपके व्यक्तिगत उपयोग के लिये प्रदान की गई है और इसे आपके व्यक्तिगत Contact No. से Watermark किया गया है। इस पुस्तक को किसी अन्य व्यक्ति / संस्था / समूह के साथ साझा करना, फोटो कॉपी करना आदि पूर्णतः वर्जित है, यदि आप इस प्रकार की किसी भी गतिविधि में सम्मिलित पाये जाते हैं, तो ऐसी स्थिति में आपका Registration समाप्त कर दिया जायेगा और आपके विरुद्ध उचित दण्डात्मक कार्रवाही की जायेगी।



## Module ~ 4

# CONTENTS



<b>PART – I : Forest Management</b>	
1.	Introduction 1 - 6
2.	Forest organization 7 - 12
3.	Sustainable yield 13 - 14
4.	Rotation 15 - 20
5.	Increment 21 - 24
6.	Important terminology 25 - 30
7.	Yield regulation 31 - 34
8.	Working plan 35 - 42
<b>PART – II : Forest Protection</b>	
9.	Forest Protection : Introduction 43 - 44
10.	Protection against injuries by man 45 - 57
11.	Protection against injuries by Animals 58 - 64
12.	Protection against injuries by insects 65 - 70
13.	Nursery diseases 71 - 73
14.	Remaining Topics 74 - 77
<b>PART – III : Wildlife Biology</b>	
15.	Wildlife Biology (Introduction) 78 - 85
16.	Wildlife census 86 - 91
17.	Wildlife projects 92 - 95
18.	Man Animal Conflict 96 - 100
19.	Protected areas 101 - 114

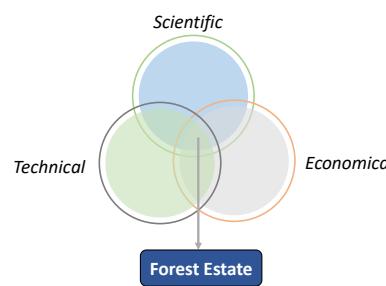
# FORESTRY MANAGEMENT

## [ INTRODUCTION ]

हमारी नीति की नींव उत्पादन वानिकी के दृष्टिकोण से संरक्षण वानिकी की ओर स्थानांतरित हो गई। यहां तक कि उत्पादन वानिकी क्षेत्रों के मामले में भी, हमने स्थानीय पारिस्थितिकी और जैव विविधता, बन्य जीवन, वाटरशेड, जनजातीय आजीविका और जंगल की कार्बन पृथक्करण क्षमता पर फसल प्रथाओं के प्रभाव पर विचार करना शुरू कर दिया। ये रणनीतिक और सामरिक फसल योजना के साथ वन संसाधनों के अधिक सुचारू और टिकाऊ विनियमन की नींव रखते हैं।

### 1.1 DEFINITION

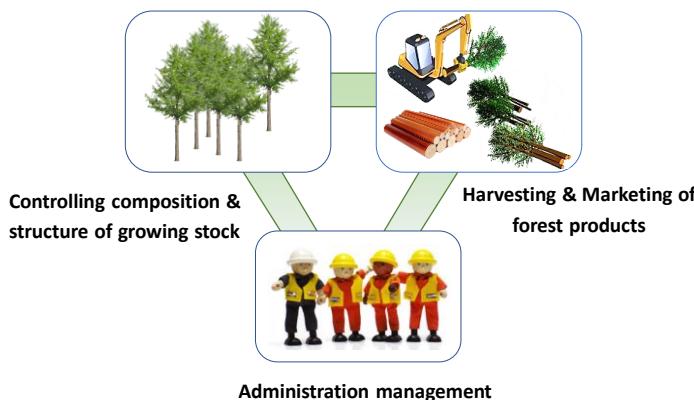
The *practical application* of the *scientific, technical, and economic principles* of forest estate for the achievement of *certain objectives*. (निश्चित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये वन संपदा के वैज्ञानिक, तकनीकी और आर्थिक सिद्धांतों का व्यावहारिक अनुप्रयोग वन प्रबंधन कहलाता है।)



**Forest Management** is the application of *business methods* and *technical forestry* principles to the operation of a forest property. (वन प्रबंधन वन संपत्ति के संचालन के लिये व्यावसायिक तरीकों और तकनीकी वानिकी सिद्धांतों का अनुप्रयोग है।)

### 1.2 SCOPE (विस्तार)

बढ़ते स्टॉक की संरचना और संयोजन को नियंत्रित करना - Site-selective tending operations, प्रजातियों का चयन, पुनर्जनन विधियों, Stand में हस्तक्षेप और सुरक्षा उपायों आदि के माध्यम से किया जाता है।



### Chapter Outline

- 1.1 Definition
- 1.2 Scope
- 1.3 Goals & Objectives of Forest management
  - General objectives
  - Special objectives
- 1.4 Principles of forest management
- 1.5 Peculiarities of forest management
- 1.6 Private forest

# FOREST ORGANIZATION

1806 में मद्रास सरकार ने कैप्टन वॉटसन (Watson) को पहला वन संरक्षक नियुक्त किया, जिसने आधुनिक वन प्रशासन की नींव रखी। 1867 में भारतीय वन सेवा की शुरुआत के साथ इसे ओर मजबूत किया गया। बेहतर विवरण, प्रशासन, प्रबंधन और रिकॉर्ड रखने के लिये, वन प्रशासन को आम तौर पर 3 प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया जाता है। –

- (A) Territorial classification or system (प्रादेशिक वर्गीकरण या प्रणाली)
- (B) Administrative (or Organizational) structure (प्रशासनिक या संगठनात्मक संरचना)
- (C) Management (or Silvicultural) classification (प्रबंधन या सिल्विकल्चरल वर्गीकरण)

## 2.1 TERRITORIAL CLASSIFICATION (प्रादेशिक वर्गीकरण या प्रणाली)

रेंज स्तर पर, वन क्षेत्र को उसके कार्यकारी और सुरक्षात्मक कार्यों के आधार पर ब्लॉक, कम्पार्टमेंट और उप-कम्पार्टमेंट में विभाजित किया गया है।

### ► Forest Block (वन ब्लॉक) :

सामान्य तौर पर, एक वन क्षेत्र को 15 से 30 ब्लॉकों में विभाजित किया जाता है, जो मुख्य क्षेत्रीय विभाजन होते हैं। एक ब्लॉक में आमतौर पर क्रमांकित स्तंभों द्वारा चिह्नित चारों ओर एक स्पष्ट सीमा होती है, और उनका स्थानीय उचित नाम होता है, उदाहरण के लिये, Haldwani block।

### ► Compartment : एक वन खंड को कई Compartments में विभाजित किया जाता है, जो प्रशासन और रिकॉर्ड के प्रयोजनों के लिये स्थायी रूप से परिभाषित वन क्षेत्रीय इकाइयां (Forest territorial Units) हैं।

- एक कम्पार्टमेंट वन भूमि की एक स्थायी (Permanent), मान्यता प्राप्त (Recognized) भौगोलिक इकाई है जो सभी वन संचालनों के नियोजन, नुस्खे (Prescription), निगरानी (Monitoring) और स्थायी रिकॉर्ड के आधार पर बनती है।
- इनके नामकरण के लिये अरबी अंक 1, 2, 3 आदि का प्रयोग करते हैं।
- यह प्रबंधन की सबसे छोटी स्थायी कार्य योजना इकाई है, इसकी सीमाओं को सावधानीपूर्वक जमीन पर चिन्हित किया जाता है और इन्हे मानचित्र पर अंकित किया जाता है। सीमायें या तो प्राकृतिक रूप से बनी रेखाओं जैसे कि लकड़ीं, घाटी की तलहटी, धारायें या कृत्रिम अग्नि रेखायें (Fire lines) आदि द्वारा बनाई जाती हैं।
- Compartment का औसत आकार: 100-500 hac., वन प्रबंधन के उद्देश्य और तीव्रता पर निर्भर करता है।

## Chapter Outline

### 2.1 Territorial Classification

-  Block
-  Compartment
-  Sub-compartment
-  Working circle
-  Felling series
-  section
-  Annual coupe

### 2.2 Administrative classification

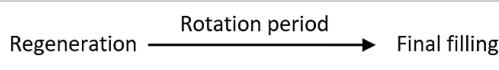
### 2.3 Silvicultural classification

# ROTATION

## [PRODUCTION PERIOD]

### 4.1 ROTATION (आवर्तन)

Rotation या आवर्तन/उत्पादन अवधि वह समय अवधि है जो वन फसल अपने उत्पन्न होने से लेकर अंतिम कटाई (Final felling) तक लेती है। सीधे शब्दों में कहें, यह उस समय की अवधि है जब पेड़ों की फसल को स्वतंत्र रूप से बढ़ने दिया जाता है।



The number of years fixed by the *working plan* between its regeneration and the final felling of a crop [Brasnett].

The rotation or Production period is the interval of time between the formation of a young crop by seeding, planting, or other means and its final harvesting [Osmaston].

Rotation age is the age of trees or crops at which when they are felled, objects of management, for the time being, are best served [Knuchel].  
Rotation is the period which elapses between the formation of wood and the time when it is finally cut over [Jerram].

#### IMPORTANCE OF ROTATION (आवर्तन का महत्व)

- पेड़ के आकार को नियंत्रित करने के लिये रोटेशन (आवर्तन) अवधि एक महत्वपूर्ण उपकरण है – जितना लंबी रोटेशन (आवर्तन) अवधि होगी, पेड़ उतना ही बड़ा हो सकता है।
- रोटेशन (आवर्तन) अवधि वनों की लकड़ी की उपज, लाभप्रदता, पुनर्जनन की विधि और लकड़ी की उत्पादकता को प्रभावित करती है।
- यह वन कार्यों के लिये बेहतर योजना बनाने और संगठन के निर्माण में सहायता प्रदान करता है।
- उत्पादन प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी, क्योंकि सभी जानते हैं कि कब काटना है, कैसे काटना है और कितनी मात्रा में लकड़ी काटनी है और कितनी मात्रा में बाजार में आपूर्ति करनी है।
- हम अपने वृक्षारोपण के उद्देश्यों के अनुसार रोटेशन (आवर्तन) अवधि तय कर सकते हैं, अर्थात्, संरक्षण उद्देश्य या व्यावसायिक उद्देश्य के लिये।

#### LIMITATIONS (सीमाएं)

- फसल की वृद्धि दर Site (क्षेत्र) की गुणवत्ता और प्रजातियों के अनुसार बदलती है।
- इसमें अपरिपक्व पेड़ों को छोड़ना शामिल है, क्योंकि कुछ प्रवृत्त संचालन (Tending operations) के कारण काम में लाने योग्य (Exploitable) आकार तक नहीं पहुंच पायेंगे।

### Chapter Outline

#### 4.1 Rotation

- Definition
- Importance.
- Limitations/ Disadvantages

#### 4.2 Types of Rotation.

- Physical rotation
- Silvicultural rotation
- Technical rotation
- Maximum volume prod<sup>n</sup>
- Highest Gross revenue
- Economic rotation

#### 4.3 Length of rotation

#### 4.4 Choice of rotation

#### 4.5 Modifying rotation length (Class)

# YIELD REGULATION

**YIELD REGULATION (उपज विनियमन)** : उपज विनियमन (*Yield regulation*) उपज (*Yield*) का निर्धारण करना है और एक प्रबंधन योजना के निर्देशों (*Prescription*) के अंतर्गत इसकी अभिव्यक्ति करना है, जिसमें यह तय किया जाता है कि उपज (*Yield*) कहाँ, कब और कैसे निकाली जानी चाहिये। इसका अर्थ है, आम तौर पर कार्य योजना अवधि के लिये, इमारती लकड़ी और अन्य उपज की मात्रा को अग्रिम रूप से तय करना, जिसे सालाना या समय-समय पर जंगल से प्राप्त (निकाला) किया जाता है।

- **BASIS OF YIELD REGULATION (उपज विनियमन का आधार)** – (a) Area, (b) Volume, (c) Area and Volume, (d) Increment, and (e) Volume & Increment.

BASIS	YIELD REGULATION METHOD
A. Area only	A1 : Annual coup by gross area A2 : Annual coupe by reduced area.  B1 : Von Mantel's formula
B. Volume only (Growing stock volume)	B2 : Howard's modification B3 : Simmon's modification B4 : Smythies' modification B5 : Burma modification
C. Area and Volume	C1 : Permanent Periodic blocks allotment method C2 : Revocable Periodic blocks allotment method C3 : Single Periodic blocks method C4 : Floating Periodic blocks methods C5 : Judeich's stand selection method (Management method)
D. Increment	D1 : Increment method D2 : Swiss method D3 : Biolly's check method or Methode du controle  E1 : Formula method – (i) Austrian, (ii) Heyer's, (iii) Hundeshagen's, (iv) Karl's, and (v) Breymann's/ E2 : Hufnagl's method. E3 : French method and its modification – Melar's methods, Symthies modification, and Chaturvedi's modification. E4 : Hufnagal's diameter class method E5 : Brandis' diameter class method (or Indian method). E6 : Volume unit method. E7 : Symthies safe-guarding formula (or UP safe guarding formula).
E. Volume and increment of whole growing stock.	

# FOREST PROTECTION

## INTRODUCTION

### 9.1 FOREST DISASTERS

**HAZARD :** एक खतरनाक घटना, प्राकृतिक या मानव-प्रेरित, जो एक निश्चित क्षेत्र में चोट, जीवन हानि, संपत्ति, आजीविका या पर्यावरण का नुकसान कर सकती है। घटनाएँ हो सकती हैं -

- **Natural**, e.g., Tsunami, Volcanic eruption, Earthquake, etc.
- **Man-induced**, e.g., Pollution, Flood, Drought, etc.

**DISASTER :** जब कोई प्राकृतिक (Natural) या मानव-जनित घटना (Human-induced event) व्यापक मानवीय क्षति का कारण बनती है, साथ में आजीविका, संपत्ति और पर्यावरण का भी नुकसान होता है, तो इसे एक निश्चित क्षेत्र में आपदा कहा जाता है।

- इसका अर्थ है कि कोई घटना तभी विपत्ति बनती है जब वह इतने बड़े पैमाने पर होती है कि वन पारिस्थितिकी तंत्र उसका सामना करने में असमर्थ होता है, जिससे वन पारिस्थितिकी तंत्र के सामान्य कार्य में पूर्ण बाधा उत्पन्न होती है।

[**Forest disaster** एक बड़े पैमाने पर होने वाली घटना है जो वनीय पारिस्थितिक तंत्र को Significant नुकसान पहुंचाती है।]

### TYPES OF FOREST DISASTERS

#### Based on speed

- Slow onset : Takes months/Years – Drought, Environmental / Forest degradation. (कई महीने/वर्षों तक, सूखा, पर्यावरणीय / वन क्षरण)
- Rapid onset : Triggered instantaneous – Cyclone, Landslide, Forest fire, etc.

#### Agency (कारक) के आधार पर

- Natural : Tsunami, Cyclones
- Man-induced : Forest fire

#### क्षति (Damage) के क्षेत्र के आधार पर

- Climatic disasters : Drought (सूखा), Flood in the Low-lying area (निचले क्षेत्र में बाढ़), Cyclone (चक्रवात), Hail storm (ओलावृष्टि), Heatwave (लू)
- Geological disasters : Landslides, Volcanic eruptions, etc.
- Hydrological disasters : Tsunami, Limnic eruptions, etc.
- Man-induced : Forest fire, Heavy metal poisoning, etc.



Mt. Merapi volcano erupts, Indonesia, March 2023



Bhopal gas tragedy



The U.S. military used **Agent Orange**, a herbicide and defoliant, during the Vietnam War from 1962 to 1971.

# PROTECTION AGAINST INJURIES BY ANIMALS

जानवर कई तरह से जंगलों को नुकसान पहुंचाते हैं – Grazing (चराई), Browsing (पल्लव चारण), Debarking (निर्वकलन), वृक्षारोपण और नई वृद्धि को रोकना।

घरेलू जानवर मुख्य रूप से चरने के लिये जंगल में प्रवेश करते हैं यह जंगलों और जंगली जानवरों के लिये बहुत अधिक नुकसान का कारण बनता है। कुछ रोग ऐसे होते हैं, जो घरेलू पशुओं से जंगली जानवरों में फैलते हैं इसके अलावा, पालतू जानवर अपने शरीर के साथ बीज ले जाकर नई खरपतवार प्रजातियों को फैलाते हैं।

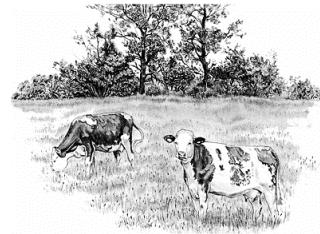
## 11.1 चराई (GRAZING)

चराई (Grazing) से तात्पर्य घास और Herbs जैसे पौधों की पत्तियों और टहनियों को खिलाने से है।

### SIGNIFICANCE

- दूध, भोजन, मांस और कार्यबल उत्पादित करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनते हैं।
- जीडीपी में 6% और कृषि जीडीपी में 25% का योगदान करते हैं।

### चराई (GRAZING) के तरीके



Grazing



Browsing :  
[Goat, Elephant, Camel, etc.]

- (1) **प्रवासी चराई (Migratory grazing)** : इस प्रकार की चराई में, सर्दियों के मौसम में जानवर को अधिक ऊंचाई वाले स्थानों से कम ऊंचाई वाले स्थानों पर ले जाते हैं, ताकि ऊंचाई वाले स्थानों में ठंडे मौसम की स्थिति से बचा जा सके और गर्भियों में वापस पहाड़ियों पर चले जाते हैं। (यानी हिमाचल प्रदेश में बकरवाल, JK में बन गुजर)।
  - ❖ **Kharak** system in Uttarakhand, **Gol** system in Rajasthan,
- (2) **24 घंटे चराई / पसर चराई (24 hour grazing)** : इसमें दिन-रात मवेशी जंगल के अंदर ही रहते हैं। निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के बाद, जानवरों को घरेलू उपयोग के लिये फिर से पकड़ लिया जाता है।
- (3) **दिन चराई (Day grazing)** : यहां, पशुओं को दिन के समय जंगल में चरने के लिये जाने दिया जाता है। रात के समय पशुओं को वापस मानव बस्तियों के पास स्थित पशुशालाओं में लौटा लिया जाता है।
- (4) **Penning and stall feeding** : इस प्रकार में जंगल से चारा एकत्र कर पशुशाला में (खानोटा / लिडोरी) में मवेशियों को चारा खिलाते हैं। पशुशाला से पशुओं को बाहर नहीं निकलने दिया जाता है।

### ► चराई प्रणाली (GRAZING SYSTEM)

- (1) **सतत चराई (Continuous grazing)** : इस प्रकार की चराई में किसी क्षेत्र को पूरे वर्ष बिना किसी नियंत्रण या नियम के चराई के लिये खुला छोड़ दिया जाता है। यह तरीका उचित नहीं है, क्योंकि सतत चराई (Continuous grazing) से वनों के भीतर

# HUMAN - ANIMAL CONFLICT

**मानव-पशु संघर्ष** जंगली जानवरों और मानव आबादी के बीच आपसी संघर्ष को संदर्भित करता है जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जो फसलों, संपत्ति को नुकसान, चोट या लोगों या जानवरों की मौत और बीमारियों के प्रसार का कारण हो सकता है। इसके अंतर्गत भोजन और पानी जैसे संसाधनों के लिये आपसी **प्रतिस्पर्धा** भी प्रारंभ हो सकती है। यह संघर्ष अक्सर उस स्थिति में उत्पन्न होता है जब मानव गतिविधियाँ, जैसे शहीरकरण और भूमि के उपयोग में परिवर्तन, तथा जंगली जानवरों के **आवासों** पर **अतिक्रमण** करते हैं और उनके प्राकृतिक व्यवहार को बाधित करते हैं। उदाहरण - हाथी भोजन के लिये गाँवों पर धावा बोलते हैं, भेड़िये पालतू पशुओं का शिकार करते हैं, तथा भालू भोजन के लिये घरों में घुस जाते हैं।

इस तरह की संघर्ष की स्थिति आम तौर पर लोगों के बीच वन्यजीव संरक्षण के प्रति बढ़ती हुई **शत्रुता को जन्म** देती है जिसके परिणामस्वरूप बदले की भावना से जानवरों को मार दिया जाता है या धायल कर दिया जाता है।

## नुकसान के प्रकार

- **कृषि फसलों का नुकसान पहुँचना**, उदाहरण के लिये, जंगली सूअरों द्वारा फसलों को खाकर /तोड़ कर नुकसान पहुँचाया जाता है।
- **पशुधन की हानि**, उदाहरण के लिये, तेंदुए पशु भक्षक बन जाते हैं।
- **जीवन की हानि**, उदाहरण के लिये, गिर वन में शेर-मानव संघर्ष, सुंदरवन क्षेत्र + लखीमपुर खीरी में बाघों का **आदमखोर/नरभक्षक** बन जाना तेंदुआ - संजय गांधी (मुंबई) में **मानव से संघर्ष**, महाराष्ट्र में गन्ने के खेत भेड़िये - **मानव संघर्ष** = पूर्वी यूपी रीसम बंदर (हिमाचल प्रदेश), जंगली सूअर (उत्तराखण्ड), और नीलगाय (बिहार)
- संचारित रोग, जैसे, कर्नाटक में **मंकी फीवर** (मनुष्य) में, **रेबीज** (धरेलू जानवर) से
- पर्यावरणीय क्षति, **विदेशी प्रजातियाँ** के आगमन से

## मानव-पशु संघर्ष के कारण

- **वन्यजीव आवास की हानि, गिरावट और विखंडन** : शहीरकरण, अवैध अतिक्रमण, खनन, समांतर परियोजनायें, वनों की कटाई और प्रदूषण जैसी मानवीय गतिविधियाँ पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बाधित करती हैं, जिससे जानवरों के व्यवहार में परिवर्तन आ जाता है और उन्हें नये वातावरण के अनुकूल होने के लिये मजबूर किया जाता है। जिसके कारण लोगों के साथ टकराव की घटना में वृद्धि हो सकता है, उदाहरण के लिये, **संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान**, मुंबई; प्रस्तावित खंडवा-अकोला रेल लाइन उन्नयन परियोजना मेलघाट टाइगर रिजर्व आदि से होकर गुजरती है।
- **संसाधनों के लिये प्रतिस्पर्धा** : प्रोजेक्ट टाइगर के बाद प्राकृतिक आवासों में तेजी से बाघों और अन्य मांसाहारियों के साथ की आबादी का विस्तार हुआ, जिसके कारण भोजन और पानी के लिये आपस में प्रतिस्पर्धा प्रारंभ हो जाती हैं, जिससे कारण इन सीमित संसाधनों पर संघर्ष प्रारंभ हो जाता है। जिसके कारण **ब्लैकबक (एंटीलोप)** और **नीलगाय (बोसेलाफस ट्रैगोकैमेलस)** की जंगल के बाहर एक बार घटती आबादी की पर्याप्त उपलब्धता के परिणामस्वरूप **कृषि परिदृश्य** में संघर्ष बढ़ गया है। जिसके कारण अत्यधिक पौष्टिक और स्वादिष्ट खाद्य फसलें भी शाकाहारियों के साथ संघर्ष को बढ़ावा देती हैं।
- **मानव बस्तियों का आकर्षण** : चारों की उपलब्धता ने पशुओं को मानव बस्तियों की ओर आकर्षित किया। पूर्वी यूपी और बिहार के कृषि क्षेत्रों में नीलगाय के हमले बहुत आम बात हैं। झुंड में फूलना = चूहों/शाकाहारियों की आबादी में तेजी से वृद्धि = ↑ मांसाहारी आबादी =

# INDIAN FOREST SERVICE (IFOS) 2023



Ritvika Pandey

Forestry Comprehensive Course



Swastic Yaduvanshi

Forestry Comprehensive Course



Vidyanshu Shekhar Jha

Forestry Comprehensive Course + Test Series



Rohan Tiwari

Forestry Comprehensive Course



Shashank Bhardwaj

Forestry Comprehensive Course + Test Series



Ankan Bohra

Forestry Comprehensive Course



Prachi Gupta

Forestry Comprehensive Course



Raj Patoliya

Forestry Comprehensive Course + Test Series



Vineet Kumar

Forestry Comprehensive Course



Jatin Babu S

Forestry Comprehensive Course



Gaurav Saharan

Test Series



Yash Singhal

Forestry Comprehensive Course



Nitish Pratik

Forestry Comprehensive Course



Vaasanthi P.

Test Series



Sourabh Kumar Jat

Forestry Comprehensive Course



Ekam Singh

Forestry Comprehensive Course + Test Series



Kunal Mishra

Forestry Comprehensive Course



Atul Tiwari

Forestry Comprehensive Course



Aman Gupta

Forestry Comprehensive Course + Test Series



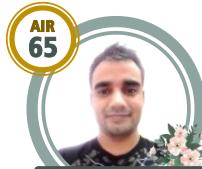
Sanket Adhao

Forestry Comprehensive Course



Preeti Yadav

Forestry Comprehensive Course



Nihal Chand

Forestry Comprehensive Course + Test Series



Shashikumar S. L.

Forestry Comprehensive Course



Dhino Purushothaman

Forestry Comprehensive Course



Diwakar Swaroop

Forestry Comprehensive Course



Rajesh Kumar

Forestry Comprehensive Course



Krishna Chaitanya

Forestry Comprehensive Course



Harveer Singh Jagarwar

Forestry Comprehensive Course



Akash Dhanaji Kadam

Forestry Comprehensive Course



Himanshu Dwivedi

Forestry Comprehensive Course



Sumit Dhayal

Forestry Comprehensive Course



Priyadarshini

Forestry Comprehensive Course + Test Series

**64 Out of 147 Total Selections in**

**Indian Forest Service (IFoS) 2023**

# Congratulations

To all our successful candidates in



Kanika Anabh

Forestry Comprehensive Course | Test Series



Anubhav Singh

Forestry Comprehensive Course



Sanskar Vijay

Forestry Comprehensive Course



Satya Prakash

Test Series



Chada Nikhil Reddy

Forestry Comprehensive Course



Bipul Gupta

Forestry Comprehensive Course



Yeduguri Aiswarya Reddy

Forestry Comprehensive Course



Namratha N

Forestry Comprehensive Course



Divyanshu Pal Nagar

Forestry Comprehensive Course



Akanksha Puwar

Forestry Comprehensive Course



Yogesh Rajoriya

Forestry Comprehensive Course



G Prashanth

Forestry Comprehensive Course | Test Series



Kanishak Aggarwal

Forestry Comprehensive Course



Shashi Shekhar

Forestry Comprehensive Course



Vinay Budanur

Forestry Comprehensive Course



Shraddhesh Chandra

Forestry Comprehensive Course | Test Series



Kaore Shreerang Deepak

Forestry Comprehensive Course | Test Series



Javed Ahmad Khan

Forestry Comprehensive Course



Shruti Chaudhary

Forestry Comprehensive Course



Aravindkumar R

Forestry Comprehensive Course



Kishlay Jha

Forestry Comprehensive Course



Prabhatoshan Mishra

Forestry Comprehensive Course



Abhigyan Khaund

Forestry Comprehensive Course

52 Out of 143 Total Selections in

Indian Forest Service (IFoS) 2024

## Online / Offline Batches



- Comprehensive syllabus coverage and detailed analysis of PYQs
- Both online / Offline batches
  - 2 years of validity with unlimited access.

## Study Material



- PYQs and syllabus-based
- Color printed
- Generous use of visual Graphics
- Align with the latest trends and requirements of the exam

## Test Series



Personalized feedback with detailed solutions and suggestions for each candidate, ensuring targeted improvement and success in exams.

## Leader In Forest Services

A premier institute specializing in forest service exams, including IFoS, ACF, RFO, and ICFRE / ICAR-(ASRB) ARS/NET Examinations.